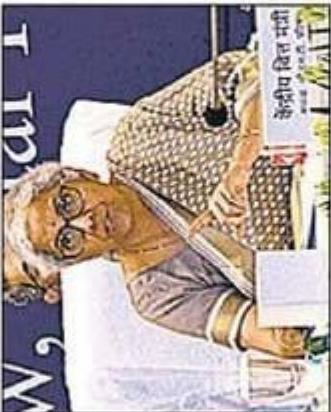


# पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में लाने का यह सही संराय नहीं: सीताएरण

जीएसटी काठिल  
लखनऊ | विशेष संवाददाता



लखनऊ | विशेष संवाददाता

जीएसटी काठिल ने पेट्रोल-डीजल आदपेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में फिलहाल न लाने का निर्णय लिया है। कई गज़बों ने इसका विरोध किया। आप इसे जीएसटी दायरे में लाया जाता तो कीमतें कुछ कम हो जातीं।

लखनऊ में शुक्रवार को हुई मैशन बैठक के बाद केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा हुई। पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का यह सही समय नहीं है। अधिकांश गज़ब पेट्रोल डीजल को बैट से बाहर कर जीएसटी दायरे में लाने के विरोध में थे। अधिकांश गज़बों ने कहा कि यह समय इसके लिए ठीक नहीं है।

कोरोना की दवाओं पर छूट जाए, केसर की सस्ती हुई कोरोना की दवाओं पर छूट 31 दिसंबर तक जारी रहेगी। रेमडिसिविर पर पांच फीसदी जीएसटी पढ़ेगा। वहीं, केसर की कई दवाओं पर दर 12% से घटाकर 5% कर दी गई। केसर की दवा कीटू पर जीएसटी की दर पांच फीसदी कर दी गई है। ▶ पेज 15

कागज के कार्टन-पेज महंगे सभी तरह के पेज, फूड एप से भोजन मावाना, आयरन, कापर, एल्युमीनियम व जिंक और महंगा होगा। गर परंपरागत कुर्ज उपकरणों, कागज के कार्टन, वैग, पेकिंग कंटेनर्स, प्लास्टिक और पालीयूथेन के बेस्ट पर, सभी तरह के कागज के कार्ड महंगे होंगे।

12 फीसदी की जगह बायोडीजल पर अब पांच फीसदी कर

इसे आगे टाला जाए। अभी राज्य कोरोना से ज़बर है। सीतारमण ने कहा कि यह मुद्दा केवल हाईकोर्ट के निर्देश पर ही बैठक में आया था। ▶ पेज 15

राज्यों ने जीएसटी में ढांचागत खामियों पर आपति जताई पेज 15